मैथिली शास्त्रीय दर्जा खो दिया

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, बार-बार मांग के बावजूद **मैथिली** को **शास्त्रीय भाषा** **का दर्जा** नहीं दिया गया, क्योंकि **बिहार सरकार** ने **औपचारिक रूप से प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया।**

प्रमुख बिंदु

- **अनुशंसा प्रक्रिया:**
  - **भाषाओं के लिये शास्त्रीय दर्जे** की सिफारिश **साहित्य अकादमी** **के अध्यक्ष की अध्यक्षता** में गृह मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के प्रतिनिधियों वाली **भाषाविज्ञान विशेषज्ञ समिति** द्वारा की जाती है।
  - समिति की सिफारिश के बाद, केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी और राजपत्र अधिसूचना की आवश्यकता होती है।
- **मैथिली प्रस्ताव की तकनीकी:**
  - यद्यपि **पटना स्थित मैथिली साहित्य संस्थान** ने मैथिली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिये एक प्रस्ताव तैयार किया था, लेकिन बिहार सरकार ने इसे **केंद्रीय गृह मंत्रालय को नहीं भेजा**, जैसा कि अपेक्षित था।
- **मैथिली का सांस्कृतिक और भाषाई महत्त्व:**
  - **वर्ष 2011 की जनगणना** के अनुसार, भारत में लगभग 12 मिलियन मैथिली भाषी हैं।
  - **वर्ष 2003 से आठवीं अनुसूची** में मान्यता प्राप्त, मैथिली **संघ लोक सेवा आयोग** परीक्षा में एक **वैकल्पिक विषय** है और **2018 तक झारखंड में आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है**। यह **बिहार, झारखंड और नेपाल में व्यापक रूप से बोली जाती है।**
- **मैथिली की स्थिति के लिये राजनीतिक वकालत:**
  - **जनता दल (यूनाइटेड)** ने लगातार मैथिली की शास्त्रीय स्थिति का समर्थन किया है।
- **नवीनतम शास्त्रीय भाषा मान्यताएँ:**
  - अक्तूबर 2024 में संबंधित राज्य सरकारों के प्रस्तावों के बाद **असमिया, बंगाली और तीन अन्य भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा दिया गया।**
  - इससे पहले समिति द्वारा संस्कृत, पाली और प्राकृत भाषाओं पर विचार किया गया था, तथा **2005 में केवल संस्कृत को मान्यता** दी गई थी।
- **शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त करने के लाभ:**
  - मान्यता प्राप्त शास्त्रीय भाषाओं को **शिक्षा मंत्रालय से सहायता प्राप्त** होती है, जिसमें **प्रतिष्ठित विद्वानों को सम्मानित करने के लिये दो वार्षिक पुरस्कार** भी शामिल हैं।
  - समर्पित अध्ययन के लिये **उत्कृष्टता केंद्र** स्थापित किया गया है, तथा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक शैक्षणिक पीठ स्थापित की गई हैं।

मैथिली भाषा

- मैथिली **बिहार में बोली जाने वाली** एक भाषा है जो **इंडो-आर्यन शाखा के पूर्वी उप-समूह** से संबंधित है। **भोजपुरी और मगधी** इस भाषा से निकटता से संबंधित हैं।
- ऐसा दावा किया जाता है कि इस भाषा का **विकास मगध प्राकृत से** हुआ है।
  - मध्यकाल में यह संपूर्ण पूर्वी भारत की साहित्यिक भाषा थी।
- **14वीं शताब्दी में कवि विद्यापति ने इसे लोकप्रिय बनाया** और साहित्य में इस भाषा के महत्त्व को पुष्ट किया।
- मैथिली भाषा को **2003 में संवैधानिक दर्जा** दिया गया और यह **संविधान की 8वीं अनुसूची** में उल्लिखित **22 भाषाओं** में से एक बन गई।
- मैथिली की **1,300 वर्ष पुरानी साहित्यिक विरासत** और निरंतर विकास को इसकी शास्त्रीय स्थिति के आधार के रूप में रेखांकित किया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maithili-missed-classical-status